

ये अव्यक्त इशारे

अब अपनी पुरानी नेचर व संस्कारों का परिवर्तन करो

**6-11-2022**

जो बहुत समय के संस्कार होते हैं वही अन्त की स्थिति रहती है। लौकिक रीति से जब कोई शरीर छोड़ते हैं, अगर कोई संस्कार दृढ़ होता है, खान-पान वा पहनने आदि का, तो पिछाड़ी समय भी वह संस्कार सामने आता है इसलिए अभी से ये विस्मृति के अथवा हार खाने के संस्कार मिट जाने चाहिए। इसके लिए अपने आप से दृढ़ प्रतिज्ञा करो कि यह संस्कार, यह व्यर्थ संकल्प कभी भी उत्पन्न नहीं होने देंगे। जब ऐसी दृढ़ प्रतिज्ञा करेंगे तब अन्त में विजयी बनेंगे।

**Now transform the old nature and old sanskars.**

Whatever your sanskars are over a long time, that becomes your stage at the end. In the world, when someone sheds his body but has had a sanskar of eating some particular food or wearing particular clothes, then, even at the end, those sanskars come in front of the soul. This is why the sanskars of forgetfulness and being defeated should now be finished. For this, make a determined promise to yourself that that particular sanskar or waste thought will no longer emerge. When you make such a determined promise you will be victorious at the end.